मेरा मास्क आपकी रक्षा करता है

सभी के लिए मास्क
आपका मास्क मेरी रक्षा करता है

सच कहने की ताकत

साप्ताहिक समाचार पत्र

जालंधर ब्रीज

CORONA SE MAT DARONA

WASH YOUR HAND
RREQUENTLY
WITH SOAP AND WATER

www.jalandharbreeze.com • JALANDHAR BREEZE • WEEKLY • YEAR-2 • 24 FEBRUARY TO 02 MARCH 2021 • VOLUME-30 • PAGE-4 • RATE-3.00/- • RNI NO.: PUNHIN/2019/77863

Lic No : 933/ALC-4/LA/FN:1184

INNOVATIVE TECHNO INSTITUTE

ISO CERTIFIED 2015 COMPANY

STUDY, WORK & SETTLE IN ABROAD

Low Filing Charges &
*Pay money after the visa

IELTS | STUDY ABROAD

CANADA AUSTRALIA USA

U.K SINGAPORE EUROPE

*T&C apply

E-mail : ankush@innovativetechin.com • hr@innovativetechin.com • Website : www.innovativetechin.com • FB/Innovativetechin • Contact : 9988115054 • 9317776663

REGIONAL OFFICE : S.C.O No. 10, Gopal Nagar, Near Batra Palace, Jal. • HEAD OFFICE : S.C.O No. 21-22, Kuldip Lal Complex, Highway Plaza, GT Road, Adjoining Lovely Professional University, Phagwara.

राहुल के बयान पर आनंद शर्मा की सफाई कहा- कांग्रेस ने देश को हमेशा एक समझा

• नई दिल्ली.ब्यूरो

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी के बयान को लेकर भाजपा लगातार हमलावर है। राहुल गांधी ने केरल की एक सभा में कहा था कि पहले 15 वर्षों के लिए मैं उत्तर (भारत) से एक सांसद था। मुझे एक अलग प्रकार की राजनीति की आदत हो गई थी। केरल आने पर मुझे अलग तरह का अनुभव हुआ क्योंकि मैंने अचानक पाया कि लोग मुद्दों में रुचि रखते हैं और न केवल सतही तौर पर बल्कि मुद्दों में विस्तार से जाते हैं।

राहुल गांधी के इस बयान को लेकर भाजपा उन पर हमलावर है। इन सबके बीच न्यूज़ एजेंसी एएनआई के मुताबिक कांग्रेस के वरिष्ठ नेता आनंद शर्मा ने राहुल गांधी के इस बयान पर सफाई दी है। बात मुझे नहीं दिखती। राहुल गांधी ही स्पष्टीकरण दे सकते हैं। भारतीय राष्ट्रीय

कांग्रेस ने देश को एक समझा है, हमने कभी क्षेत्र, भाषा और धर्म के आधार पर लकीर नहीं खींची। क्या कहना चाह रहे हैं कुछ लोग, हम नहीं कह सकते। जहां तक अमेठी की बात है, वहां के मतदाताओं के भी हम कृतज्ञ हैं, उन्होंने लंबे समय तक राजीव गांधी जी को चुनकर भेजा, राहुल गांधी भी 3 बार वहां से चुने गए। कांग्रेस पार्टी वहां के मतदाताओं का सम्मान करती है।

दक्षिण में राजनीति चमकाने की कोशिश में दिशाओं में उलझे राहुल, उत्तर भारतीयों के अपमान का लगा आरोप गुजरात के नतीजों पर बात करते हुए उन्होंने कहा कि गुजरात में जो नतीजे आए हैं, हमारे जो 8 विधायक दल बदल करके चले गए थे, वहां हमारा प्रदर्शन बहुत खराब रहा और कल के नतीजे भी चौंकाने वाले हैं, ये समय है कि इसका अवलोकन किया जाए।

अब प्राइवेट बैंक भी कर पाएंगे कई तरह के सरकारी ट्रांजैक्शन, सरकार ने हटाई रोक

नई दिल्ली : बिजनेस डेस्क। सरकार ने बुधवार को प्राइवेट बैंकों पर सरकारी व्यवसाय करने पर लगी रोक हटाने की घोषणा की। वित्तीय सेवा विभाग की ओर से जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में इस बात की जानकारी दी गई है। डीएफएस ने कहा है कि सरकार ने प्राइवेट सेक्टर बैंकों पर सरकारी बैंकिंग लेनदेन से जुड़ी रोक हटा ली है। इन ट्रांजैक्शन्स में टैक्स और अन्य रेवेन्यू पेमेंट की सुविधाएं, पेंशन का भुगतान, स्मॉल सेविंग्स स्कीम्स इत्यादि शामिल हैं।

निर्मला सीतारमण ने भी इस बाबत ट्वीट किया है। निजी बैंक अब सरकारी बैंकों के साथ बनेंगे देश के विकास में बराबर के साथी। निजी बैंकों के ऊपर सरकारी व्यवसाय पर लगी रोक हटी। उपभोक्ताओं को मिलेगी बेहतर सेवाएँ व सुविधाएं। सरकार के सामाजिक और वित्तीय समावेश योजनाओं में निजी बैंक भी होंगे भागीदार।

मोटेरा नहीं, 'नरेंद्र मोदी स्टेडियम' हुआ दुनिया के सबसे बड़े क्रिकेट मैदान का नाम

• नई दिल्ली.ब्यूरो

गुजरात के मोटेरा स्थित क्रिकेट स्टेडियम को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का नाम दिया गया है। इसके साथ ही अब यह नरेंद्र मोदी स्टेडिम के नाम से जाना जाएगा।

इसका ऐलान होते ही ट्विटर पर "नरेंद्र मोदी स्टेडियम" टॉप ट्रेंड करने लगा है। यहां लोग अलग-अलग तरह की प्रतिक्रियाएं दे रहे हैं। बीजेपी के समर्थक जहां इस बात पर फूले नहीं समा रहे कि दुनिया का सबसे बड़ा क्रिकेट स्टेडियम भारत में बना है तो विरोधी सवाल उठा रहे हैं।

कांग्रेस पार्टी की गुजरात इकाई के कार्यकारी अध्यक्ष हार्दिक पटेल ने तो यहां तक कह दिया कि यह देश के पहले गृह मंत्री सरदार वल्लभ भाई पटेल का अपमान है।

शाह ने कहा कि स्पोर्ट्स एन्क्लेव में विश्व की सभी खेलों की व्यवस्था यहां होगी। देश और दुनिया के सभी खेलों के सभी खिलाड़ियों की ट्रेनिंग और रहने की व्यवस्था यहां होगी।

संबंधित तस्वीर पेज-4 पर...

भारत का स्पोर्ट्स हब बनेगा अहमदाबाद : शाह

राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने मोटेरा स्थित नरेंद्र मोदी क्रिकेट स्टेडियम का उद्घाटन किया। यह स्टेडियम सरदरा वल्लभ भाई पटेल स्पोर्ट्स एन्क्लेव का एक हिस्सा है। 236 एकड़ में बनने वाले इस एन्क्लेव में नैटटोरियम, एथलेटिक्स/ट्रैक ऐंड फील्ड/फुटबॉल स्टेडियम, फील्ड हॉकी और टेनिस स्टेडियम, इनडोर स्पोर्ट्स हॉल/एरिनाज, आउटडोर फील्ड्स, वेल्ड्रोम/स्केटिंग एरिया/बीच वॉलिबॉल फैसिलिटी के साथ-साथ बोटिंग सेंटर भी होगा। केंद्रीय गृह मंत्री और स्थानीय सांसद अमित शाह ने कहा अहमदाबाद अब देश का स्पोर्ट्स हब बनकर उभरेगा।

दूसरा फेज : अब बुजुर्गों की बारी

1 मार्च से कोविड-19 वैक्सीनेशन

• नई दिल्ली.ब्यूरो

केंद्रीय कैबिनेट की बैठक में लिए गए फैसले के बारे में प्रकाश जावड़ेकर व रविशंकर ने जानकारी दी। उन्होंने बताया कि केंद्रीय कैबिनेट की बैठक में कोविड-19 वैक्सीनेशन के अलावा पुडुचेरी में राजनीतिक उठापटक पर भी चर्चा हुई। केंद्रीय मंत्री जावड़ेकर ने बताया कि आगामी सोमवार, 1 मार्च से कोविड-19 वैक्सीनेशन के दूसरे फेज की शुरुआत हो रही है। इसके तहत बुजुर्गों 10 हजार सरकारी चिकित्सा केंद्रों व 20 हजार प्राइवेट चिकित्सा केंद्रों में वैक्सीन दिया जाएगा।

जावड़ेकर ने कैबिनेट में पुडुचेरी के मुद्दे पर हुई चर्चा के बारे में भी ब्रीफिंग दी। उन्होंने बताया, 'पुडुचेरी में मुख्यमंत्री नारायणसामी के इस्तीफे के बाद किसी ने सरकार बनाने का दावा नहीं किया इसलिए राज्यपाल महोदय ने आर्टिकल 239 के तहत विधानसभा भंग करने की सिफारिश की आज इसे कैबिनेट ने मंजूरी दी और अब राष्ट्रपति की मंजूरी के बाद वहां की विधानसभा भंग होगी।'

केंद्री मंत्री रविशंकर प्रसाद ने बताया कि कैबिनेट की बैठक में अप्रैल 2020 में घोषित मोबाइल फोन व इसके कंपोनेंट के लिए योजनाओं को मंजूरी दी गई। उन्होंने बताया कि इसकी लागत 35,000 करोड़ रुपये है और इससे 22,500 नौकरियां शुरू होंगी। केंद्रीय मंत्री रवि शंकर प्रसाद ने कहा, 'लैपटॉप और आईपैड बनाने वाली दुनिया की शीर्ष 5 कंपनियों को हम भारत में लाना चाहते हैं। इसके साथ हम भारतीय कंपनियों को भी शामिल करेंगे। आने वाले 5 सालों में हमारा लक्ष्य 3,26,000 करोड़ रुपये का उत्पादन करना होगा। 2,45,000 करोड़ रुपये का निर्यात होगा।' उन्होंने आगे बताया, 'लैपटॉप और आईपैड बनाने वाली दुनिया की शीर्ष 5 कंपनियों को हम भारत में लाना चाहते हैं। इसके साथ हम भारतीय कंपनियों को भी शामिल करेंगे। आने वाले 5 सालों में हमारा लक्ष्य 3,26,000 करोड़ रुपये का उत्पादन करना होगा। 2,45,000 करोड़ रुपये का निर्यात होगा।' केंद्रीय मंत्री ने कहा, IT हार्डवेयर उत्पादों का योगदान देश में इस वक्त 5-10% है। आने वाले 5 सालों में यह 20-25% होगा और 2 लाख लोगों को नौकरियां मिलेगी। हार्डवेयर का उत्पादन 1 ट्रिलियन डिजिटल अर्थव्यवस्था में भी अच्छा योगदान देगा।'

किसान केन्द्र की पेशकश पर विचार करें तो बातचीत को तैयार : तोमर

नई दिल्ली : केन्द्रीय कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर ने बुधवार को कहा कि अगर किसान कृषि कानूनों को डेढ़ साल तक स्थगित रखने और इस दौरान संयुक्त समिति के माध्यम से मतभेद सुलझाने की केन्द्र की पेशकश पर विचार करने को तैयार हों तो सरकार आंदोलनरत किसानों के साथ बातचीत को तैयार है। सरकार और किसानों का प्रतिनिधित्व करने वाले संगठनों के बीच अभी तक 11 दौर की बातचीत हो चुकी है और अंतिम बातचीत 22 जनवरी को हुई थी। 26 जनवरी, गणतंत्र दिवस के दिन राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में किसानों की ट्रैक्टर परेड में हुई हिंसा के बाद दोनों पक्षों में बातचीत बंद हो गई।

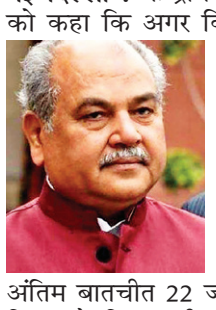

गौरतलब है कि किसान केन्द्र द्वारा पिछले साल बनए गए तीन कृषि कानूनों को वापस लेने और फसलों के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य की गारंटी की मांग को लेकर नवंबर, 2020 के अंत से ही दिल्ली की सीमाओं पर आंदोलन कर रहे हैं। एक समारोह से इतर तोमर ने कहा कि सरकार किसानों और किसानी के कल्याण के लिए प्रतिबद्ध है और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में वह किसानों की आय दोगुनी करने और भारतीय कृषि क्षेत्र को मजबूत बनाने का प्रयास कर रही है। मंत्री भारतीय किसान यूनियन (बीकेयू) नेता राकेश टिकैत की धमकी के संबंध में पूछे गए सवाल का जवाब दे रहे थे।

राकेश टिकैत ने सरकार से संसदीय समिति बनाने की कही बात

बोले- संसद के पास पार्क में करवाएं खेती

• नई दिल्ली. ब्यूरो

भारतीय किसान यूनियन के राष्ट्रीय प्रवक्ता और किसानों के फायरब्रांड नेता राकेश टिकैत ने बुधवार को केंद्र सरकार को आड़े हाथों लेते हुए कहा कि आने वाले समय में संसद के पास पार्क में कृषि अनुसंधान केंद्र बनाना पड़ेगा। दरअसल, राकेश टिकैत केंद्रीय कृषि कानूनों को वापस लिए जाने की मांग कर रहे हैं और इसी मांग के साथ किसानों का करीब तीन महीने से आंदोलन जारी है।

कृषि मंत्री के बयान पर राकेश टिकैत का पलटवार, कहा- भीड़ तो सत्ता परिवर्तन की सामर्थ्य रखती है

समाचार एजेंसी एएनआई के मुताबिक, किसान नेता राकेश टिकैत ने कहा कि सरकार शोध केंद्रों की बात नहीं मानती है इसलिए आने वाले समय में संसद के पास पार्क में कृषि अनुसंधान केंद्र बनाना पड़ेगा। संसदीय समिति बनाएं और वहां कुछ फसलों की खेती करवाएं। जो लाभ-हानि हो समिति देखे और उस आधार पर फसलों के दाम तय करें।

किसान नेता राकेश टिकैत बोले, किसानों के आंदोलन के लिए समर्थन जुटाने जल्द गुजरात जाऊंगा

उल्लेखनीय है कि राकेश टिकैत ने मंगलवार को केंद्र सरकार को चेतावनी दी थी कि अगर कृषि कानूनों को वापस नहीं लिया जाता है तो हम संसद का घेराव करेंगे और इस बार 4 लाख नहीं 40 लाख ट्रैक्टर शामिल होंगे। इसके साथ ही उन्होंने किसानों से तैयार रहने को कहा था क्योंकि कभी भी दिल्ली जाने का आह्वान हो सकता है।

भ्रष्ट अधिकारी नहीं होने देंगे दुर्घटना मुक्त भारत

• जालंधर-पठानकोट बायपास रोड पुलिस नाके से गुजरता ओवर लोड ट्रक व टिप्पर आसपास से गुजरते छोटे वाहन व नाके पर चेकिंग के लिए नहीं दिख रहा है कोई मुलाजिम। फोटो : रवि

• जालंधर ब्रीज.
विशेष रिपोर्टर

संयुक्त राष्ट्र द्वारा सड़क सुरक्षा के लिए 2021 से 2030 के बीच सड़क हादसों में 50 फीसदी की कटौती की जाए उसके लिए ट्रांसपोर्ट मंत्री रज़िया सुलताना द्वारा राज्य में 18 जनवरी से 17 फरवरी 2021 तक राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह समापन समारोह की अध्यक्षता करते हुए पंजाब में जागरूकता अभियान चलाया गया जिसमें विभाग और ट्रैफिक से संबंधित अधिकारीयों को निर्देश जारी किए थे कि राज्य में उन सभी जगह जिन्हें ब्लैक स्पॉट भी कहा जाता है पहचान कर जल्द से जल्द सुधारने के निर्देश दिए गए हैं ताकि किसी भी परिवार का कोई बहुमूल्य व्यक्ति इन ब्लैक स्पॉट्स के कारण अपना जीवन न गंवा बैठे। लेकिन ट्रांसपोर्ट विभाग और ट्रैफिक पुलिस के अधिकारियों का ओवरलोडिंग वाहनों पर नकेल न कस पाना भी सड़क हादसों का मुख्य कारण बनता जा रहा है। जालंधर का ट्रांसपोर्ट विभाग ओवरलोडिंग वाहनों को क्यों नहीं चेक कर पा रहा? इसके पीछे क्या कारण है? इसका जवाब किसी के पास नहीं है।

आरटीओ दफ्तर स्थित अधिकारी अपनी जिम्मेवारी सिर्फ ड्राइविंग लाइसेंस बनाने व वाहनों की रजिस्ट्रेशन करना ही अपना काम समझते हैं। लेकिन सड़क में चल रहे ओवरलोडिंग वाहनों बारे सब कुछ जानते हुए भी आंखें बंद करके बैठे हुए हैं। इसका एक उदाहरण बीएमसी चौंक फ्लाईओवर में देखने को मिला। जहां शहर में कुछ विशेषज्ञों द्वारा बताया जा रहा है कि भारी वाहनों के लोड के कारण फ्लाई ओवर की सड़क में दरारें आई हैं।

एक तरफ ओवर लोडेड वाहन शहर की मुख्य सड़कों और फ्लाई ओवर को नुकसान पहुंचा रहे है। दूसरी तरफ सड़क पर चल रहे अन्य वाहनों के ऊपर पलट जाने का खतरा बना रहता है। क्या ट्रांसपोर्ट और ट्रैफिक विभाग अपने किसी करीबी के जाने के बाद इन ओवरलोडिंग वाहनों पर शिकंजा कसने के लिए हरकत में आएगा। यह सब जानते हुए भी कि ओवरलोडिंग वाहन सड़क पर पलटने वक़्त यह नहीं देखता कि वह किसके ऊपर पलटने वाला है। वह इंसान कोई राजनीतिज्ञ भी हो सकता है या सरकार में किसी विभाग में तैनात बड़ा अफसर या उसका कोई परिवार का सदस्य। उस वक़्त हम सबको कुछ दिन के लिए विभाग की सख्ती देखने को मिलती है लेकिन उसके बाद सब कुछ उसी तरह से शुरू बदस्तूर जारी रहता है। आखिर विभाग पूर्ण रूप से कब इन ओवरलोडिंग वाहनों पर सख्ती करेगा। ताकि किसी भी अन्य वाहन चालक या राहगीर को किसी तरह के हादसों का शिकार ना होना पड़े।

यह तभी संभव है जब भ्रष्टाचार में लिप्त चंद मुलाजिमों पर विभाग द्वारा शिकंजा कसा जाए ताकि ओवरलोडिंग माफिया को रोका जा सके।

आमदनी और बचत के लिए संघर्ष अभी भी जारी

महामारी के बाद आर्थिक गतिविधियों में सुधार के संकेत स्पष्ट दिखने लगे हैं। लेकिन, आमदनी और बचत के लिए आमजन का संघर्ष अभी भी जारी है। बीते दिनों घरेलू एलपीजी सिलेंडर के दाम में 50 रुपये की बढ़ोतरी और पेट्रोल-डीजल की कीमतों में जारी उछाल चिंता को बढ़ानेवाला है। देश के कई शहरों में पेट्रोल की कीमत रिकॉर्ड ऊंचाई को पार कर शतक के करीब पहुंच रही है। पिछले एक वर्ष में पेट्रोल की कीमतों में प्रति लीटर लगभग 18 रुपये तक की बढ़ोतरी हो चुकी है।

ईंधन की ऊंची कीमतों का असर महंगाई पर पड़ेगा, जिससे गरीब और मध्यम वर्ग सबसे अधिक प्रभावित होगा। मोदी सरकार के लिए यह संतोषजनक है कि महंगाई अभी भी निर्धारित लक्ष्य सीमा के अंदर ही है। हालांकि, करों में कटौती कर पेट्रोल-डीजल की कीमतों में कमी लाने की मांग विपक्ष द्वारा की जा रही है। ईंधन की कीमतों में जारी बढ़त का असर थोक और खुदरा बाजार पर होगा, जिससे उपभोक्ताओं को आवश्यक वस्तुओं की महंगाई का सामना करना पड़ सकता है। वर्तमान महीने में घरेलू गैस की कीमतों में दो बार बढ़ोतरी हो चुकी है।

हालांकि, कीमतों में बढ़ोतरी या कमी अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमत और डॉलर एक्सचेंज के रेट पर भी निर्भर करती है। महामारी के बाद से उपभोक्ता मांग पूरी तरह से पटरी पर नहीं लौटी है, फिर भी कोर इन्फ्लेशन (इसमें खाद्य और ईंधन शामिल नहीं) बढ़ रही है। हालांकि,

पिछले महीने के आंकड़ों के मुताबिक हेडलाइन इन्फ्लेशन में गिरावट की प्रवृत्ति जारी रही। गैर-खाद्य मुद्रास्फीति का दबाव आगे की चुनौतियों को और बड़ा कर सकता है। कीमतों में बढ़त, महामारी की वजह से कारोबार पर पड़े दुष्प्रभाव को मामूली तौर पर कमतर कर सकती है। वस्तुओं की तरह सेवाओं की लागत को आयात जैसे विकल्पों के माध्यम से कम नहीं किया जा सकता है। सैद्धांतिक तौर पर मांग में कमी का असर कीमतों में गिरावट के तौर पर दिखता है, लेकिन बाजार की आंतरिक जटिलताओं के कारण यह पूरी तरह से सच नहीं होता।

इसी वजह से बड़े और छोटे उद्यमों के बीच अंतर स्पष्ट होता है। कीमतों को नियंत्रित करने की ताकत की वजह से कोर इन्फ्लेशन बढ़ जाता है। आपूर्ति बाधित होने से कीमतों को बढ़ाने का मौका मिल जाता है। महामारी की वजह से आपूर्ति बाधित हुई, जिसका सबसे अधिक नुकसान छोटे उद्यमों को हुआ। छोटे और मझोले कारोबारों के दोबारा पटरी पर लौटने पर ही आपूर्ति के इस मसले का समाधान हो सकता है।

घर से निकलते ही

हर सुबह स्कूल जाने के लिए घर से निकलते ही 5-6 साल के बच्चे टोलियों में अपने स्कूल जाते हुए मिलने लगते हैं। महंगी वर्दी, बस्ते, स्कूल बस और अन्य सुविधाओं से वंचित इन नन्हे-मुन्ने मजदूर वर्ग के बच्चों को अपनी साधारण वर्दी पहने मस्ती में बतियाते और बाल-सुलभ शरारतें करते हुए स्कूल जाते देखने का एक अलग ही आनंद है, जिसे शब्दों में बयान नहीं किया जा सकता।

मजे की बात तो यह है कि न जाने इन्हें कैसे मालूम हो गया है कि मैं एक अध्यापिका (दूसरे स्कूल में) हूं और मुझे देखते ही मानो उन सब ने नमस्ते मैडम जी, गुड़ मॉर्निंग मैडम जी कहने की होड़ सी लग जाती है। लड़के तो लपककर पांव छूने लगते हैं। कुछेक भोलेपन से एक दूसरे की शिकायतें तक मुझसे करने लगते हैं। मुझसे अपने अभिवादन का उत्तर पाते ही उनके चेहरों पर जो निच्छल मुस्कान तैरने लगती है उसका तो कोई मोल ही नहीं है। मन अनायास ही उनकी तुलना उच्चवर्गीय, सुविध संपन्न परिवारों के बड़ी उम्र के उन बच्चों से करने लगता है जिनमें से ज्यादातर अपने अध्यापकों को भी अभिवादन करने में हेठी समझते हैं और सामने पड़ने पर देख कर भी अनदेखा कर देते हैं।

खैर जो भी है, मेरी हर सुबह तो इन नन्हें देवदूतों के कारण खुशनुमा हो जाती है और दिल से उनके लिए ढेरों दुआएं निकलती हैं। यह एक काल्पनिक कहानी नहीं बल्कि मेरा निजी अनुभव है। हालांकि अब मेरा स्थानांतरण दूसरे शहर में होने के कारण वो बच्चे मुझे नहीं मिलते, लेकिन वो यादें आज भी चेहरे पर मुस्कान ले आती हैं।

कनाडा के पर्यटक निकले नर्मदा परिक्रमा के दिलचस्प सफर पर

मध्यप्रदेश के बड़वानी जिला मुख्यालय के समीप राजघाट से कनाडा निवासी एक महिला व पुरुष नर्मदा परिक्रमा के लिए निकले है। कनाडा निवासी जो और उनकी महिला मित्र सोफी रात्रि के समय दुपहिया वाहन से बड़वानी के समीप राजघाट स्थित नर्मदा तट पर बने मंदिर में पहुंचे और उन्होंने धर्मशाला में रात्रि विश्राम किया। जब उन्होंने वहां उपस्थित श्रद्धालुओं को बताया कि वे नर्मदा परिक्रमा पर निकले हैं तो सभी आश्चर्य में पड़ गए।

दोनों ने पत्रकारों को बताया कि नर्मदा के उद्गम स्थल अमरकंटक से गुजरात के कच्छ तक की उनकी यात्रा एक हफ्ते पहले ही शुरू हुई है। वे नर्मदा नदी के किनारों पर मंदिरों का दर्शन कर हवन पूजन में भी हिस्सा लेते हैं। उन्होंने बताया कि दोनों ने इस दौरान अपने मोबाइल फोन बंद कर दिए हैं और सोशल मीडिया से वास्ता समाप्त कर दिया है और केवल नर्मदा से जुड़े दृश्यों को ही कैद कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि नर्मदा नदी की परिक्रमा अध्यात्म से ओतप्रोत करने

वाली है और नर्मदा का तेज बहता पानी उन्हें आल्हादित कर रहा है। नर्मदा के किनारे का प्राकृतिक नजारा, पेड़ पौधे और सुरम्य वातावरण ने उन्हें काफी शांति दी है।

उन्होंने नर्मदा परिक्रमा करते पैदल यात्रियों और वाहन सवारों में एक अभूतपूर्व आनंद का अनुभव किया है। वे प्रत्येक स्थान पर नर्मदा नदी में स्नान कर मन्दिरों के दर्शन करते हैं और वहां बना हुआ भोजन ग्रहण कर गंतव्य की ओर निकल जाते हैं। उन्होंने बताया कि उनके परिवार के कुछ सदस्य कोलकाता भी रहते हैं और वह वही काम करते हैं।

बुरी नहीं सोशल मीडिया की लत, अकेलेपन और डिप्रेशन से मिलता है छुटकारा, रिसर्च में दावा

क्या आपका बच्चा फेसबुक, व्हॉट्सएप, इंस्टाग्राम या स्नैपचेट का इस्तेमाल किए बिना नहीं रह पाता? अगर हां तो ज्यादा परेशान मत होइए। ब्रिटेन में 74 हजार किशोरों पर हुए एक अध्ययन में सोशल मीडिया को मनोवैज्ञानिक स्वास्थ्य के लिहाज से उतना भी घातक नहीं पाया गया है।

शोधकर्ताओं के मुताबिक फेसबुक, व्हॉट्सएप, इंस्टाग्राम या स्नैपचैट जैसी साइटें अकेलेपन और डिप्रेशन का भाव नहीं पैदा करतीं। हां, बच्चा अपनी छवि, रंग-रूप और रहन-सहन को लेकर थोड़ा सजग जरूर हो सकता है, लेकिन अगर मां-बाप नियमित रूप से बात करें तो उसमें हीन भावना पैदा होने की गुंजाइश घट जाती है।

कई किशोरों में तो सोशल मीडिया तनाव, बेचैनी और आक्रामकता की शिकायत को घटाने में कारगर भी मिला है। उन्हें दोस्तों के संपर्क में रहने का मौका मिलना इसकी मुख्य वजह है।

लिविंग.हेल्थ

लगाएं पौधे बनाएं घर को सुरक्षित

पौधे चाहे बास्केट में सजे हों या किसी कोने में रखे हों घर को आकर्षक व सुंदर दिखाने में मददगार होते हैं। इंडोर प्लांट्स वातावरण को साफ व खुशनुमा बनाए रखते हैं। जानें, कुछ ऐसे पौधों की जानकारी, जो आपके घर को सुंदर दिखाने के साथ-साथ वातावरण को भी स्वच्छ रखेंगे...

होम प्लांटेशन

बैंबू, रबर और एलोवेरा : भले ही इनकी गिनती आम पौधों में की जाती हो, लेकिन इसका महत्व किसी से कम नहीं है। बात चाहे सेहत की हो या सजावट की, इन पौधों का नाम सबसे पहले दिमाग में आता है। तीनों की अपनी अलग-अलग विशेषताएं हैं। बैंबू, इंडोर प्लांट्स में काफी प्रचलित है। एलोवेरा औषधि के रूप में इस्तेमाल किया जाता है और सेहत के लिए रबर प्लांट बेहद फायदेमंद है। इस पौधे को अच्छी धूप की जरूरत होती है।

फिलॉडेंड्रॉन : इस पौधे का इस्तेमाल घर से ज्यादा ऑफिसों में किया जाता है। इसकी दिल के आकार की पत्तियां हवा को ताजा कर देती है, लेकिन इसके साथ थोड़ी सावधानी बरतनी जरूरी है। बच्चों और जानवरों के लिए यह पौधा सुरक्षित ही नहीं बल्कि इसकी पत्तियों में कुछ टॉक्सिक तत्व भी होते हैं, जिसे खाने से बीमारी हो सकती है। अच्छी बात यह है कि कम पानी में भी यह पौधा अपनी ताजगी बनाए रखता है।

चाइनीज एवरग्रीन : आसानी से उगने वाला यह पौधा इंडोर गार्डनिंग के लिए एक अच्छा विकल्प है। इसे न ज्यादा धूप की जरूरत होती है न ही रोज-रोज पानी देने की दिक्कत होती है। विभिन्न शेड्स की पत्तियों का यह पौधा इंटीरियर की शोभा को भी दोगुनी कर देता है।

मनीप्लांट : तेजी से बढ़ने वाला यह पौधा घर को सुंदर दिखाने और वातावरण को स्वच्छ बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इसे चाहे बोतल में उगाना हो या गमले में, तरीका सरल और एक ही है।

स्पाइडर प्लांट : यह पौधा शुरूआती दिनों में अपना असर दिखाना शुरू कर देता है। पर्यावरण में मौजूद हानिकारक तत्व जैसे कार्बन मोनोऑक्साइड, बेंजीन आदि को 90 प्रतिशत तक दूर करता है।

नशे की गिरफ्त में युवा पीढ़ी

• विदेशी साजिश : युवा पीढ़ी को परोसा जा रहा है चिट्टा
• स्कूल नहीं नशा मुक्तिकेंद्र खुलवाने की है आवश्यकता

नशे में फंसे युवाओं के अभिभावक भली भांति इन सब बातों से परिचित है, लेकिन वह चाहकर भी कुछ नहीं कर पा रहे हैं। आज नशे की लत ने युवक और युवतियों को इस कदर मजबूर कर दिया है कि वह चोरी-चकारी, घर का कीमती सामान बेचना, यहां तक की किसी की जान लेने पर भी उतारू हो चुके हैं। छोटी सी उम्र में जहां इन युवाओं के हाथ में किताबें होनी चाहिए थी, वहीं, इन युवाओं के हाथों में नशे से भरे इंजैक्शन देखे जा रहे हैं। अलग-अलग तरीके से नशे का इस्तेमाल करती यह युवा पीढ़ी अपने भविष्य के साथ खिलवाड़ कर रही है। यह चिंता का विषय है हमें इसके प्रति जगह रहकर इस बुराई से बचना है...

आज पूरे विश्व में भारत देश युवा देश के रुप में जाना जाता है। यदि हमारी युवा पीढ़ी तंदुस्त एवं हस्ट-पुष्ट होगी तो सेना में भी दुश्मनों से लडऩे की खूब क्षमता होगी, लेकिन विदेशी दुश्मन ताकतें आज भारत की युवा पीढ़ी को नष्ट करने में लगी हुई है। विदेशी ताकतों ने भारत देश में आतंक फैलाकर अपनी जोर अजमाईश कर ली, लेकिन उन्हें हर बार मुंह की खानी पड़ी।

आर्थिक रूप से देश को कमजोर करने के लिए नकली करंसी कई बार देश में भेजी गई और साजिश रची गई, परंतु इन साजिशों में भी सफलता हाथ नहीं लगी। ऐसे में नशे का अचूक वार करना भी विदेशी साजिश का ही हिस्सा हो सकता है। इस अचूक वार से आज की युवा पीढ़ी घायल हो गई है। इसका परिणाम पूरे देश में देखने को मिल रहा है।

इस बाबत विदेशी साजिश कैसे माने? आईए आपको बताते हैं कि किस तरह युवा पीढ़ी को यह नशा परोसा जा रहा है। देश की राजधानी दिल्ली से उत्तर भारत के कई राज्यों में चिट्टे की सप्लाई हो रही है। दिल्ली के दवारिकामोड़, नवादा, जनकपुरी, बुराड़ी आदि चिट्टे के मेन स्टेशन है।

वर्तमान समय में (सामान)के रूप में जाना जाने वाला चिट्टा(हेरोइन)को दिल्ली में विदेशी लोग ही तैयार करने में पीछे नहीं है। इसके इलावा पंजाब भारत -पाक सीमा, नेपाल भारत सीमा में सेना द्वारा पकडे गए मामले स्कैन करते हैं कि नशा का दरिया पाक और अफगानिस्तान की तरफ से भी बह रहा है और देश की युवा पीढ़ी को अपने तेज बहाव में बहता हुआ ले जा रहा है कि चाह कर भी युवा इससे किनारे नहीं लग रहा है। युवा आज इस नशे की लत में इस तरह फसा है कि चाह कर भी वह इस नशे से बाहर नहीं निकल पा रहा है।

स्वस्थ रहने की 10 अच्छी आदतें

• कहीं भी बाहर से घर आने के बाद, किसी बाहरी वस्तु को हाथ लगाने के बाद, खाना बनाने से पहले, खाने से पहले, खाने के बाद और बाथरूम का उपयोग करने के बाद हाथों को अच्छी तरह साबुन से धोएं। यदि आपके घर में कोई छोटा बच्चा है तब तो यह और भी जरूरी हो जाता है। उसे हाथ लगाने से पहले अपने हाथ अच्छे से जरूर धोएं।

• घर में सफाई पर खास ध्यान दें, विशेषकर रसोई तथा शौचालयों पर। पानी को कहीं भी इकट्ठा न होने दें। सिंक, वॉश बेसिन आदि जैसी जगहों पर नियमित रूप से सफाई करें तथा फिनाइल, फ्लोर क्लीनर आदि का उपयोग करती रहें। खाने की किसी भी वस्तु को खुला न छोड़ें। कच्चे और पके हुए खाने को अलग-अलग रखें। खाना पकाने तथा खाने के लिए उपयोग में आने वाले बर्तनों, फ्रिज, ओवन आदि को भी साफ रखें। कभी भी गीले बर्तनों को रैक में नहीं रखें, न ही

बिना सूखे डिब्बों आदि के ढक्कन लगाकर रखें।

• ताजी सब्जियों-फलों का प्रयोग करें। उपयोग में आने वाले मसाले, अनाजों तथा अन्य सामग्री का भंडारण भी सही तरीके से करें तथा एक्सपायरी डेट वाली वस्तुओं पर तारीख देखने का ध्यान रखें।

• बहुत ज्यादा तेल, मसालों से बने, बैक्ड तथा गरिष्ठ भोजन का उपयोग न करें। खाने को सही तापमान पर पकाएं और ज्यादा पकाकर सब्जियों आदि के पौष्टिक तत्व नष्ट न करें। साथ ही ओवन का प्रयोग करते समय तापमान का खास ध्यान रखें।

• खाने में सलाद, दही, दूध, दलिया, हरी सब्जियों, साबुत दाल-अनाज आदि का प्रयोग अवश्य करें। कोशिश करें कि आपकी प्लेट में श्वैरायटी ऑफ फूड शामिल हो। खाना पकाने तथा पीने के लिए साफ पानी का उपयोग करें। सब्जियों तथा फलों को अच्छी तरह धोकर प्रयोग में लाएं।

• खाना पकाने के लिए अनसैचुरेटेड वेजिटेबल ऑइल (जैसे सोयाबीन, सनफ्लॉवर, मक्का या ऑलिव ऑइल) के प्रयोग को प्राथमिकता दें। खाने में शकर तथा नमक दोनों की मात्रा का प्रयोग कम से कम करें। जंकफूड, सॉफ्ट ड्रिंक तथा आर्टिफिशियल शकर से बने ज्यूस आदि का उपयोग न करें।

• अपने विश्राम करने या सोने के कमरे को साफ-सुथरा, हवादार और खुला-खुला रखें। चादरें, तकियों के गिलाफ तथा पर्दों को बदलती रहें तथा मैट्रेस या गद्दों को भी समय-समय पर धूप दिखाकर झटकारें।

• मेडिटेशन, योगा या ध्यान का प्रयोग एकाग्रता बढ़ाने तथा तनाव से दूर रहने के लिए करें।

दक्षिण भारत में कांग्रेस का पत्ता साफ

जाने- अब कितने राज्यों में शेष बची है पार्टी की सत्ता

• दिल्ली.ब्यूरो

पुडुचेरी में सरकार गिरने के बाद कांग्रेस ने दक्षिण भारत में कर्नाटक के बाद दूसरा राज्य गंवा दिया। कभी कांग्रेस के मजबूत गढ़ के रूप में माने जाने वाले दक्षिण में अब पार्टी सभी राज्यों में सत्ता से बाहर हो चुकी है। पुडुचेरी में कांग्रेस नीत वी नारायणसामी सरकार को सदन में आज बहुमत साबित करना था। मतदान से पहले ही कांग्रेस और डीएमके के विधायकों ने सदन से वॉकआउट कर दिया। इसके बाद विधानसभा अध्यक्ष ने ऐलान किया कि सरकार बहुमत साबित करने में विफल रही है।

पुडुचेरी किस तरह बदला सत्ता का समीकरण : जानकारी के अनुसार पिछले महीने से लेकर रविवार तक सत्तारुढ़ गठबंधन के कुल छह विधायकों ने इस्तीफा दे दिया। इनमें द्रमुक के भी एक विधायक शामिल हैं। जबकि कांग्रेस का एक विधायक अयोग्य करार दिया जा चुका है।

इस कारण 33 सदस्यीय विधानसभा में प्रभावी सदस्य संख्या 26 और सरकार समर्थक विधायकों की संख्या सिमट कर 11 पर आ गई, जो बहुमत से तीन कम है। रविवार को भी कांग्रेस और द्रमुक के एक-एक विधायक ने इस्तीफा दे दिया था।

पांच राज्यों में विधानसभा चुनाव कांग्रेस के लिए चुनौती : इस साल पांच राज्यों में विधानसभा चुनाव होने है। इसमें पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, केरल, असम और पुडुचेरी शामिल हैं। इन चुनावों में पार्टी के लिए जीत हासिल करना बड़ी चुनौती है। पश्चिम बंगाल में तो मुख्य लड़ाई इस बार भाजपा और तृणमूल के बीच ही मानी जा रही है। यहां पार्टी लेफ्ट के साथ गठबंधन में है। वहीं तमिलनाडु में पार्टी डीएमके के साथ गठबंधन के जरिये सत्ता में आने की कोशिश करेगी। केरल में पार्टी का वाम नीत एलडीएफ से मुकाबला है। असम में भाजपा की सरकार है। यहां कांग्रेस की सीधी लड़ाई भाजपा से है।

सिर्फ 3 राज्यों में कांग्रेस के सीएम, 2 राज्यों में गठबंधन : कांग्रेस पार्टी सत्ता की लड़ाई में लगातार भाजपा से पिछड़ती जा रही है। पंजाब, राजस्थान, छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र और झारखंड को छोड़कर आज पूरे देशभर में पार्टी सत्ता से बाहर है। महाराष्ट्र और झारखंड में कांग्रेस भले ही सत्ता में हो लेकिन यहां पार्टी की भूमिका क्रमशः नंबर तीन और नंबर दो की ही है।

पार्टी के अंदर कलह और बदलाव की मांग : इतना ही नहीं कांग्रेस पार्टी के अंदर कलह और राष्ट्रीय स्तर पर नेतृत्व को लेकर असंतोष सार्वजनिक हो चुका है। पार्टी के भीतर ही दो धड़े हो गए हैं। पार्टी में आंतरिक चुनाव को लेकर गुलाम नबी आजाद, कपिल सिब्बल, आनंद शर्मा समेत 23 वरिष्ठ नेताओं ने सोनिया गांधी को पत्र लिख पार्टी में बड़े बदलाव की मांग की थी। इसको लेकर कई बार वरिष्ठ नेताओं की बैठक हुई लेकिन नतीजा आज तक नहीं निकल पाया।

मप्र और कर्नाटक में कांग्रेस नहीं बचा पाई थी सत्ता : कांग्रेस के अंदरुनी लड़ाई की देन है कि दो राज्य मप्र और कर्नाटक में पार्टी को सत्ता तक गवांना पड़ा। मध्यप्रदेश में कांग्रेस 15 साल बाद सत्ता में लौटी थी लेकिन यह सरकार 15 महीने भी नहीं टिक पाई।

ज्योतिरादित्य सिंधिया के भाजपा में शामिल होने के बाद मार्च 2020 में, कांग्रेस पार्टी के 25 विधायकों के राज्य विधानसभा से इस्तीफा दे दिया। फ्लोर टेस्ट के आदेश के बाद मुख्यमंत्री कमलनाथ ने सदन में बहुमत साबित करने से पहले ही इस्तीफा दे दिया। इसके बाद कांग्रेस सरकार सत्ता से बाहर हो गई। वहीं जुलाई 2019 में कांग्रेस को उस समय झटका लगा था कांग्रेस-जेडीएस गठबंधन के 17 विधायकों ने इस्तीफा दे दिया था। जब कर्नाटक में जेडीएस के साथ उनकी गठबंधन सरकार सदन में विश्वास मत साबित करने में असफल रही थी। पार्टी ने इसके लिए विधायकों के विश्वासघात को जिम्मेदार माना था।

ऐप लोकेशन को परमिशन दिया तो चोरी हो सकता है संवेदनशील डेटा

• दिल्ली.ब्यूरो

स्मार्टफोन यूजर ऐप्स को बिना सोचे हर तरह की परमिशनंस दे देते हैं। शायद उन्हें यह नहीं पता होता कि ऐप उनका कौनसा डेटा निकाल सकता है। एक नई रिसर्च में यह खुलासा हुआ है कि लोकेशन ट्रैकिंग ऑन रहने पर ऐप्स किस तरह की निजी जानकारियां निकाल सकते हैं।

इस स्टडी में शामिल 69 यूजर ने कम से कम दो सप्ताह के लिए ट्रैकिंगएडवाइजर ऐप का उपयोग किया। ऐप ने 2 लाख से अधिक स्थानों पर नजर रखी, लगभग 2,500 स्थानों की पहचान की और जनसांख्यिकी और व्यक्तित्व दोनों से संबंधित लगभग 5,000 व्यक्तिगत जानकारियां इकट्ठा की। ध्यान देने वाली बात यह कि, इकट्ठा डेटा में यूजर्स के स्वास्थ्य, सामाजिक और आर्थिक स्थिति, जाति और धर्म के बारे में जानकारियां थीं।

शोधकर्ताओं ने कहा की हम यूजर्स को यह दिखाना चाहते थे कि लोकेशन ट्रैकिंग के जरिए यूजर का कौनसा डेटा इकट्ठा किया जा सकता है। उन्होंने यह भी बताया कि अगर अपने डेटा को सुरक्षित रखना चाहते हैं तो ऐप्स को परमिशन देने से रोक सकते हैं, जिसके बाद कोई भी ऐप डेटा नहीं चुरा पाएगा।

नैशनल हाइवेज पर जाम में फंसे तो नहीं चुकाना पड़ेगा टोल टैक्स, बस एक शर्त है

• दिल्ली.ब्यूरो

अब नहीं चलेगा जाम का बहाना पिछले कुछ दिन से अधिकारियों की फौज टोल प्लाजा पर ट्रैफिक मैनेजमेंट का सुपरविजन और एनालिसिस कर रही है। इनमें रीजनल ऑफिसर्स से लेकर जनरल मैनेजर्स और चीफ मैनेजर्स तक शामिल हैं। उनमें से एक ने कहा, "फास्टैग से होने वाला लेन-देन 60-70% से बढ़कर 90% तक हो गया है, यहां तक कि दूर-दराज के इलाकों में भी। तो अब हम टोल प्लाजा पर जाम के लिए कोई बहाना देकर नहीं बच सकते।" अधिकारियों के मुताबिक लाइन कहां बनाई जाएगी, वो दूरी हर प्लाजा के लिए अलग-अलग होगी। इसके लिए उस प्लाजा के ट्रैफिक फ्लो और लेन्स की संख्या को ध्यान में रखा जाएगा। इस बीच, कुछ यात्रियों ने शिकायत की है कि उन्हें 24 घंटों के भीतर रिटर्न जर्नी पर डिस्काउंट नहीं मिल रहा है। ऐसे में उन्हें दोनों तरफ के लिए पूरा टोल चुकाना पड़ रहा है।

एक मार्च से शुरू होंगी कई ट्रेनें

• नई दिल्ली.ब्यूरो

यात्रियों की सुविधा के लिए एक मार्च से रेलवे की ओर से कई ट्रेनों की शुरुआत की जाएगी। इससे यूपी और बिहार के यात्रियों को बड़ी राहत मिलने की उम्मीद है। पूर्वोत्तर रेलवे की तरफ से ट्रेनों (train) के संचालन को लेकर जानकारी दी गई है। पूर्वोत्तर रेलवे वाराणसी मंडल के जन सम्पर्क अधिकारी अशोक कुमार ने बताया कि इस गाड़ी में सभी कोच आरक्षित श्रेणी के होंगे। इसमें यात्रा करने वाले यात्रियों को कोविड-19 के मानकों का पालन करना होगा।

रेलवे के अनुसार...

05054/05053 लखनऊ छपरा-लखनऊ विशेष गाड़ी और 05083/05084 छपरा-फर्रूखाबाद-छपरा विशेष गाड़ी का संचालन शुरू होगा। 05054 लखनऊ-छपरा विशेष गाड़ी का संचालन सप्ताह में चार दिन एक मार्च से एवं 05053 छपरा-लखनऊ जं. विशेष गाड़ी का संचलन सप्ताह में चार दिन चार मार्च से अगले आदेश तक और 05083 छपरा-फर्रूखाबाद विशेष गाड़ी का संचलन सप्ताह में तीन दिन दो मार्च से एवं 05084 फर्रूखाबाद-छपरा विशेष गाड़ी का संचलन सप्ताह में तीन दिन तीन मार्च से अगले आदेश तक किया जायेगा।

लखनऊ-छपरा विशेष गाड़ी

05054 लखनऊ-छपरा विशेष गाड़ी 01 मार्च से अगले आदेश तक प्रत्येक सोमवार, मंगलवार, शुक्रवार एवं शनिवार को लखनऊ से 21.00 बजे प्रस्थान कर बादशाहनगर से 21.40 बजे, गोमतीनगर से 21.50 बजे, दूसरे दिन फैजाबाद से 00.30 बजे, अयोध्या से 00.49 बजे, शाहगंज से 03.35 बजे, जौनपुर से 04.16 बजे, वाराणसी से 06.30 बजे, औड़िहार से 07.13 बजे, गाजीपुर सिटी से 07.55 बजे, यूसुफपुर से 08.16 बजे, बलिया से 09.15 बजे तथा सुरेमनपुर से 10.12 बजे प्रस्थान कर छपरा 11.20 बजे पहुंचेगी।

बिजनेस शुरू करना है, सरकार देगी 5 लाख तक का लोन

• दिल्ली.ब्यूरो

प्रधानमंत्री मुद्रा लोन योजना का शुभारम्भ वर्ष 2015 में किया गया था। इस योजना के अंतर्गत देश के लोगों को खुद का छोटा व्यवसाय शुरू करने के लिए 10 लाख रुपए तक का लोन प्रदान किया जा रहा है। इसके तहत तीन तरह के लोन ऑफर की जाती हैं, जिसका नाम शिशु, किशोर और तरुण है। मुद्रा लोन योजना का लाभ उठाने के लिए बैंकों या लोन संस्थानों को कोई गारंटी देने या गिरवी रखने की आवश्यकता नहीं होती है। मुद्रा लोन का पुनर्भुगतान ईएमआई विकल्पों के साथ 3 साल से 5 साल तक होता है।

आवेदन कैसे करें...

इस योजना के अंतर्गत जो इच्छुक लाभार्थी लोन प्राप्त करने के लिए आवेदन करना चाहते हैं, वह अपने नजदीकी सरकारी बैंक, निजी बैंक, ग्रामीण बैंक और वाणिज्य बैंक आदि में अपने सभी दस्तावेजों के साथ जाकर आवेदन कर सकते हैं। इसके बाद जिस बैंक से आप लोन लेना चाहते हैं वहां जाकर एप्लीकेशन फॉर्म लेकर भर दें और उसके साथ अपने सभी दस्तावेजों को अटैच करके बैंक के अधिकारी के पास जमा कर दें।

किडनी ट्रांसप्लांट के बाद हो गए थे कोरोना संक्रमित

मशहूर पंजाबी गायक सरदूल सिकंदर का निधन

मशहूर पंजाबी गायक सरदूल सिकंदर कोरोना से जंग हार गए। उनके निधन की खबर सुनते ही पंजाब कला जगत में शोक की लहर दौड़ गई।

पंजाब के मशहूर सिंगर सरदूल सिकंदर का निधन हो गया है। वह 60 साल के थे। पंजाब में मोहाली के फोर्टिस अस्पताल में उन्होंने आखिरी सांस ली। सरदूल सिकंदर काफी समय से बीमार चल रहे थे। किडनी ट्रांसप्लांट के बाद वह कोरोना संक्रमण पाए गए थे। तब से उनका इलाज चल रहा था। आज उनका देहांत हो गया। सिकंदर की मौत से उनके प्रशंसकों में शोक की लहर है।

पिछले महीने किडनी में कुछ दिक्कत के बाद अस्पताल में भर्ती कराया गया था। इसी दौरान किडनी ट्रांसप्लांट किया गया। ऑपरेशन सफल रहा, लेकिन इसी बीच वह कोरोना संक्रमित भी हो गए। इसके बाद से कोरोना का उनका इलाज चल रहा था। सरदूल सिकंदर ने कई पंजाबी हिट गाने गाए हैं। उनकी पहली एलबम 1980 के दशक में आई थी। इस एलबम का नाम 'रोडवेज दी लारी' था। इसके बाद उन्होंने कई अलबम निकाली और पीछे मुड़कर नहीं देखा। साल 1991 में आई उनकी एलबम 'हुस्ना दे मल्को' ने दुनियाभर में धूम मचाई। इस एलबम की 5।1 मिलियन कॉपियां बिकीं। गानों के अलावा कई फिल्मों में भी उन्होंने अपनी एक्टिंग से नाम कमाया। पंजाबी फिल्म 'जग्गा डाकू' में उनके अभिनय की काफी तारीफ हुई।

जापान: कोरोना काल में बढ़ी आत्महत्याएं

'अकेलेपन' से निपटने के लिए बनाया गया अलग मंत्रालय

• दिल्ली.ब्यूरो

जापान में आत्महत्या के बढ़ते मामले को देखते हुए वहां की सरकार ने 'अकेलेपन' से निपटने के लिए एक मंत्री नियुक्त किया है। प्रेस कॉन्फ्रेंस में मंत्री तात्सुशी सकामोटो ने कहा कि प्रधानमंत्री योशीहिदे सुगा ने इसे राष्ट्रीय मामला माना है, जिसके तहत उन्होंने हल करने की जिम्मेदारी मुझे सौंपी है।

दरअसल जापान, भारत की तरह युवा आबादी का देश नहीं है। फिर जो युवा है भी उनके साथ परिवार की कमी और फिर महामारी के कारण अकेलेपन और सामाजिक अलगाव को और भी बढ़ाया दिया है। साल 2020 में कोरोना वायरस महामारी से लड़ने के लिए जापान ने कई तरह के प्रतिबंध लगाए गए थे। इसकी वजह से देश में शारीरिक या सामाजिक दूरी बनायी गई। कई ऐसे इन कारणों की वजह से जापान में खुदकुशी के मामलें लगातार बढ़े रहे है। हाल ही में एक अध्ययन में कुल 1,750 युवाओं को शामिल किया था। इसमें 16, 17 और 18 वर्ष की उम्र के युवा थे। जिसमें से अधिकांश लोगों ने इंटरनेट पर काफी समय खर्च किया था।

जानिए क्या है पेट्रोल-डीजल की बेस प्राइस

कैसे इस पर लगते हैं कई सारे शुल्क व टैक्स? जो ग्राहकों को पड़ते हैं भारी

• नई दिल्ली.ब्यूरो

देश के करीब सभी शहरों में इस समय पेट्रोल-डीजल का भाव अब तक के उच्चतम स्तर पर है। राजधानी दिल्ली में सोमवार को पेट्रोल 88.99 रुपये प्रति लीटर पर मिल रहा है। पेट्रोल-डीजल की कीमतों को लेकर अक्सर लोगों के मन में यह सवाल रहता है कि इसमें आधार मूल्य क्या है और कौन-कौनसे शुल्क जोड़े गए हैं। जानिए इसके बारे में, दरअसल विभिन्न शुल्क व करों के जुड़ जाने के बाद पेट्रोल का खुदरा मूल्य उसके आधार मूल्य का करीब तीन गुना हो जाता है, जिसका भुगतान ग्राहक द्वारा किया जाता है।

पेट्रोल पर लगते हैं कई शुल्क

एक्साइज शुल्क, वैट और डीलर कमिशन आदि शुल्कों के कारण पेट्रोल-डीजल की कीमत करीब तीन गुना हो जाती है। उदाहरण से समझें, तो आईओसीएल की वेबसाइट पर उपलब्ध जानकारी के अनुसार, एक फरवरी 2021 को दिल्ली में पेट्रोल 86.30 रुयये प्रति लीटर पर मिला। इसमें पेट्रोल का आधार मूल्य सिर्फ 29.34 रुपये प्रति लीटर है। इस कीमत पर विभिन्न शुल्क व कर लगने के बाद कीमत 86.30 रुपये प्रति लीटर पर पहुंची है।

आधार मूल्य में 0.37 रुपये प्रति लीटर भाड़ा जुड़ा है। इस तरह डीलर्स को यह पेट्रोल (उत्पाद शुल्क और वैट को छोड़कर) 29.71 रुपये प्रति लीटर पर पड़ा है। इसमें एक्साइज ड्यूटी जुड़ी है, 32.98 रुपये प्रति लीटर, डीलर कमीशन जुड़ा है, 3.69 रुपये प्रति लीटर और इसके बाद वैट (डीलर कमीशन पर वैट सहित) लगा है, 19.92 रुपये प्रति लीटर। इस तरह अब आप समझ गए होंगे कि पेट्रोल की कीमत में बढ़ोत्तरी वैट, एक्साइस शुल्क और डीलर कमीशन जुड़ने के कारण हुई है।

डीजल पर लगने वाले शुल्क

दिल्ली में सोमवार को डीजल 79.35 रुपये प्रति लीटर पर मिल रहा है। आईओसीएल की वेबसाइट के अनुसार, एक फरवरी, 2021 को दिल्ली में डीजल की कीमत 76.48 रुपये प्रति लीटर थी। इसमें डीजल का आधार मूल्य केवल 30.55 रुपये प्रति लीटर ही है। इस आधार मूल्य में 0.34 रुपये प्रति लीटर भाड़ा जुड़ा है और इस तरह यह डीलर को (वैट व एक्साइज ड्यूटी के बिना) 30.89 रुपये प्रति लीटर पर पड़ा है।

इस कीमत में एक्साइज ड्यूटी जुड़ी है, 31.83 रुपये प्रति लीटर, डीलर कमीशन (औसत) जुड़ा है, 2.54 रुपये प्रति लीटर, वैट (डीलर कमीशन पर वैट सहित) लगा है,11.22 रुपये प्रति लीयर। इस तरह खुदरा विक्रय मूल्य 76.48 रुपये प्रति लीटर आया है।

आपको बता दें कि जब अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल का भाव गिरता है तब भी जो लगने वाले कर आदि वैसे का वैसा ही रहता जिस कारण जनता को मिलने वाला पेट्रोल व डीजल हमेसा महंगा ही रहता है।

इन राज्यों ने दी राहत, 5 रुपये लीटर से ज्यादा सस्ता हुआ पेट्रोल

पेट्रोल-डीजल की बढ़ती कमतों ने आम जनता को परेशान कर दिया है। कई राज्यों में पेट्रोल 100 रुपये प्रति लीटर तक बिक रहा है। बढ़ती कीमतों पर विपक्ष लगातार केंद्र को निशाना बना रहा है। तेल के दाम रिकार्ड स्तरों पर पहुंचने के बाद केंद्र सरकार एक्साइज ड्यूटी घटाना को लेकर दबाव में है। दूसरी ओर देश के 4 राज्यों ने टैक्स में कटौती करके ग्राहकों को राहत दी है। हालांकि, इनमें से कुछ राज्यों में आने वाले दिनों में चुनाव भी है। यही वजह है कि चुनाव के पहले इन राज्य के सत्ताधारी जनता को नाराज नहीं करना चाहते।

जिन राज्यों ने कम किया पेट्रोल-डीजल पर टैक्स

पश्चिम बंगाल, राजस्थान, असम और मेघालय में घटाए गए पेट्रोल-डीजल के दाम : सबसे पहले राजस्थान ने 29 जनवरी को पेट्रोल-डीजल पर लगने वाले वैट 38 प्रतिशत से घटाकर 36 प्रतिशत कर दिया था। पश्चिम बंगाल में ममता की सरकार ने पेट्रोल-डीजल पर लगने वाले वैट में एक रुपए प्रति लीटर की कटौती का ऐलान किया है क्योंकि यहां अप्रैल में विधानसभा चुनाव होने वाले हैं। 12 फरवरी को असम की राज्य सरकार ने भी पिछले साल कोरोना संकट के दौरान लगाए जाने वाले 5 रुपए अतिरिक्त कर को हटा लिया।

असम में भी चुनाव होने वाले हैं। वहीं, अगर पूर्वोत्तर राज्य मेघालय की बात करें तो यहां राज्य सरकार ने ग्राहकों को सबसे बड़ी राहत देते हुए पेट्रोल पर 7.40 और डीजल पर 7.10 रुपए घटाने का फैसला किया है। इसमें पले 2 रुपए प्रति लीटर की कटौती की गई, इसके बाद पेट्रोल पर वैट भी 31.62 प्रतिशत से घटाकर 20 प्रतिशत और डीजल पर 22.95 प्रतिशत से घटाकर 12 प्रतिशत कर दिया गया। गौर करने वाली बात है कि कोविड-19 महामारी के मद्देनजर पिछले साल यह अतिरिक्त टैक्स लगाया गया था।

उत्तराधिकार पर सुप्रीम कोर्ट का बड़ा फैसला, मायका पक्ष भी परिवार का हिस्सा

नई दिल्ली : सुप्रीम कोर्ट ने हिंदू महिला के संपत्ति उत्तराधिकार मामले में एक अहम फैसला दिया है। कोर्ट ने कहा है कि हिंदू विवाहिता के मायके पक्ष के उत्तराधिकारियों को बाहरी नहीं कहा जा सकता। वे महिला के परिवार के माने जाएंगे। कोर्ट ने कहा कि हिंदू उत्तराधिकार अधिनियम की धारा 15 (1) (डी) में महिला के पिता के उत्तराधिकारियों को महिला की संपत्ति के उत्तराधिकारियों में शामिल किया गया है।

याचिका में कोर्ट से पारिवारिक सेटलमेंट में परिवार के बाहर के लोगों को संपत्ति दिए जाने की डिक्री रद करने की मांग की गई थी। यह महत्वपूर्ण फैसला जस्टिस अशोक भूषण व जस्टिस आर.सुभाष रेड्डी की पीठ ने हाईकोर्ट और निचली अदालत के फैसलों को सही ठहराते हुए 22 फरवरी को सुनाया। कोर्ट ने हरियाणा के इस मामले में महिला के देवर के बच्चों की ओर से दाखिल अपील खारिज कर दी।

यह मामला गुड़गांव के बाजिदपुर तहसील के गढ़ी गांव का है। केस के मुताबिक गढ़ी गांव में बदलू की कृषि भूमि थी। बदलू के दो बेटे थे बाली राम और शेर सिंह। शेर सिंह की 1953 में मृत्यु हो गई उसके कोई संतान नहीं थी। शेर सिंह के मरने के बाद उसकी विधवा जगनो को पति के हिस्से की आधी कृषि भूमि पर उत्तराधिकार मिला।

अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चा तेल महंगा, इसलिए पेट्रोल-डीजल की कीमत बढ़ी: धर्मेंद्र प्रधान

• दिल्ली.ब्यूरो

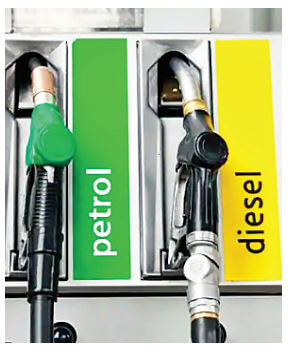

पेट्रोल-डीजल में लगातार हो रही बढ़ोतरी को लेकर केंद्रीय पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल के दाम बढ़ने की वजह से घरेलू बाजार में पेट्रोल-डीजल की कीमत बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि कीमतें धीरे-धीरे ही कम होंगी। उन्होंने बताया कि कोरोना महामारी के चलते पहले ईंधन की वैश्विक सप्लाई पर भी असर पड़ा है, इससे उत्पादन भी कम कर दिया गया, लेकिन अब औद्योगिक गतिविधियों के पटरी पर आने से मांग बढ़ रही है और इसके साथ ही कीमतें भी बढ़ रही है। प्रधान ने कहा कि हम जीएसटी परिषद से लगातार पेट्रोलियम उत्पादों को इसके दायरे में शामिल करने का अनुरोध कर रहे हैं, क्योंकि इससे लोगों को फायदा होगा।

कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को लिखे पत्र पर धर्मेंद्र प्रधान ने कहा कि सोनिया जी को पता होना चाहिए कि राजस्थान और महाराष्ट्र में सबसे अधिक कर है। लॉकडाउन के दौरान केंद्र और राज्य सरकारों की कमाई बेहद कम थी। हमने नौकरियों में वृद्धि लाने के लिए बजट में विभिन्न क्षेत्रों को बड़े हिस्से आवंटित किए हैं।

लगातार बढ़ रहे ईंधन के दामों को लेकर विपक्ष लगातार मोदी सरकार पर हमलावर होता जा रहा है। इससे पहले रविवार को धर्मेंद्र प्रधान ने बताया था कि ईंधन की कीमत बढ़ने के पीछे दो मुख्य कारण हैं। पहला अंतरराष्ट्रीय बाजार ने ईंधन का उत्पादन कम कर दिया है। अधिक लाभ प्राप्त करने के लिए विनिर्माण देश कम ईंधन का उत्पादन कर रहे हैं। इससे उपभोक्ता देशों की परेशानियां बढ़ गई हैं। धर्मेंद्र प्रधान ने कहा कि हम लगातार ओपेक और ओपेक प्लस देशों से आग्रह कर रहे हैं कि ऐसा नहीं होना चाहिए। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि ईंधन की कीमतें बढ़ने का एक और कारण वैश्विक महामारी कोरोना वायरस भी है।

621 करोड़ रुपए की लागत से मार्च में शुरू होगा बिजली घरों का निर्माण कार्य - जल स्रोत मंत्री

चंडीगढ़ : पंजाब के जल स्रोत विभाग द्वारा आज शाहपुरकंडी डैम प्रोजैक्ट के बिजली घरों (पावर हाऊस) के निर्माण के लिए मैसजर्ू ओम इन्फ्रा लि.जे.वी. के साथ समझौता किया गया। इस समझौते पर पंजाब के जल स्रोत मंत्री स. सुखबिन्दर सिंह सरकारिया और प्रमुख सचिव जल स्रोत विभाग श्री सरवजीत सिंह की मौजूदगी में मैसजर्ू ओम इन्फ्रा लि. जे.वी. के कार्यकारी डायरैक्टर श्री भरत कोठारी और चीफ़ इंजीनियर डैम, पंजाब श्री एस के सलूजा द्वारा हस्ताक्षर किए गए।

जल स्रोत मंत्री ने कहा कि ओम इन्फ्रा लि. जे.वी. द्वारा ईपीसी मोड पर 621 करोड़ रुपए की लागत से मार्च, 2021 में बिजली घरों का निर्माण कार्य शुरू किया जायेगा। इस कार्य को 36 महीनों में मुकम्मल किया जायेगा। इन बिजली घरों की स्थापित क्षमता 206 मेगावाट (पीएच-I 3x33 एम.डब्ल्यू. पीएच-II 3x33 एम.डब्ल्यू. + 1x8 एम.डब्ल्यू) है। इन पावर हाऊसों के इलैक्ट्रोमकैनिकल वर्कस पहले ही पी.एस.पी.सी.एल. के द्वारा बी.एच.ई.एल. (भेल) द्वारा किये जा रहे हैं।

उन्होंने बताया कि इस प्रोजैक्ट के मुकम्मल होने पर शाहपुरकंडी डैम प्रोजैक्ट 1042 एम.यू. सालाना बिजली उत्पादन करेगा, जिसकी कीमत 415 करोड़ रुपए बनती है। स. सुखबिन्दर सिंह सरकारिया ने कहा कि शाहपुरकंडी डैम प्रोजैक्ट राज्य में प्रदूषण रहित बिजली उत्पादन और सिंचाई प्रणाली में और सुधार लाने के लिए लाभप्रद सिद्ध होगा। उन्होंने आगे कहा कि मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिन्दर सिंह के नेतृत्व में पंजाब सरकार द्वारा

शाहपुरकंडी डैम का काम युद्ध स्तर पर किया जा रहा है और मेन डैम का लगभग 60 प्रतिशत कार्य पहले ही मुकम्मल हो चुका है।

जल स्रोत विभाग के प्रमुख सचिव श्री सरवजीत सिंह ने बताया कि पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, भारत सरकार, नयी दिल्ली और राष्ट्रीय वन्य जीव बोर्ड, नयी दिल्ली द्वारा हाल ही में जम्मू-कश्मीर की तरफ पड़ते क्षेत्र के लिए वन और वन्य जीव सम्बन्धी मंज़ूरी दे दी गई है। उन्होंने आगे कहा कि हम मार्च महीने तक जम्मू-कश्मीर के साथ लगते क्षेत्र में काम शुरू करने की योजना बना रहे हैं जिससे प्रोजैक्ट समय पर मुकम्मल हो सकें। इससे पंजाब और जम्मू कश्मीर के 37000 हेक्टेयर क्षेत्रफल को सिंचाई सुविधाएं मिलने के अलावा अन्य और भी कई लाभ मिलेंगे।चीफ़ इंजीनियर डैम, श्री एस.के. सलूजा ने कहा कि राज्य का यह प्रतिष्ठित प्रोजैक्ट मुकम्मल होने पर रणजीत सागर डैम को पीकिंग स्टेशन के तौर पर चलाने के योग्य बनाएगा, जिससे 100 करोड़ रुपए सालाना अतिरिक्त लाभ होगा। इसके अलावा पंजाब के सरहदी जिलों और जम्मू कश्मीर के कठुआ क्षेत्र में पर्यटन की संभावनाओं में विस्तार करेगा। इस मौके पर चीफ़ इंजीनियर डिज़ाइन श्री एन.के. जैन और चीफ़ इंजीनियर नहर-2 श्री आर.एस. बुट्टर के अलावा शाहपुरकंडी डैम प्रोजैक्ट के अन्य सीनियर अधिकारी भी मौजूद थे।

दुनिया के सबसे बड़े क्रिकेट स्टेडियम का उद्घाटन

• राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने दुनिया के सबसे बड़े क्रिकेट स्टेडियम का उद्घाटन किया। इस दौरान उनके साथ अमित शाह भी मौजूद थे। अब यह स्टेडियम पीएम नरेंद्र मोदी के नाम से जाना जाएगा। इस मौके पर गृहमंत्री अमित शाह, गुजरात के गवर्नर आचार्य देवव्रत, खेल मंत्री किरण रिजजू, बीसीसीआई के सेक्ट्री जय शाह मौजूद थे।

• गृह मंत्री अमित शाह ने कहा है कि आज भारत के खेल जगत का स्वर्णिम दिन है। आज भारत के राष्ट्रपति जी के कर-कमलों से लौह पुरुष भारत रत्न सरदार पटेल जी के नाम से जोड़कर एक बड़े स्पोर्ट्स एन्क्लेव का भूमि पूजन हुआ है।

एक भारत श्रेष्ठ भारत पर वेबिनार का आज आयोजन

• चंडीगढ़.ब्यूरो

भारत एक अनूठा राष्ट्र है, जिसे विविध भाषाएं, सांस्कृतिक और धार्मिक धागों द्वारा बुना गया है और जिसका समृद्ध सांस्कृतिक विकास का इतिहास इसे एक समग्र राष्ट्र की पहचान देती है, ये कहना है श्री हिमांशु पाठक, सहायक निदेशक, पत्र सूचना कार्यालय, चंडीगढ़ का। वह आज हिमाचल प्रदेश और केरल राज्यों पर केंद्रित एक भारत श्रेष्ठ भारत पर आयोजित एक वेबिनार के दौरान प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए बोल रहे थे।

आरकेएमवी कॉलेज, शिमला के सहायक प्रोफेसर, कैप्टन डॉ. लक्ष्मी ने कहा कि एक भारत श्रेष्ठ भारत (ईबीएसबी) कार्यक्रम का उद्देश्य देश भर के राज्यों/केंद्रशासित प्रदेशों के लोगों के बीच आपसी समझ और मेलजोल को बढ़ाना और एक दूसरे की समृद्ध परंपराओं को व्यंजनों, नृत्य, त्योहार और साहित्य आदि के माध्यम से सीखना है।

केरल के कार्टूनिस्ट और

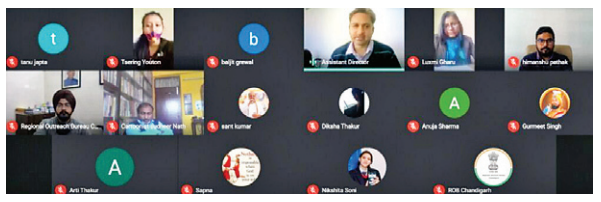

पत्रकार श्री सुधीर नाथ ने वेबिनार के दौरान बोलते हुए कहा कि केरल को प्राकृतिक सुंदरता से नवाज़ा गया है और यह भारत में एक अनोखी जगह है जहाँ विभिन्न संस्कृतियों का मेल देखा जा सकता है। उन्होंने कहा कि ओणम त्योहार राज्य के महत्वपूर्ण त्योहारों में से एक है और यह वार्षिक फसल उत्सव है जिसे उल्लास और उत्साह के साथ मनाया जाता है। उन्होंने कहा कि वल्लम काली (नाव की दौड़), पुलिकली (बाघ नृत्य) और पूकलम (फूल रंगोली) इस त्योहार के दौरान की जाने वाली विभिन्न गतिविधियां हैं।आरकेएमवी कॉलेज, शिमला की एनसीसी इकाई के छात्रों ने अतिथि वक्ताओं के साथ बातचीत की और राज्य के बारे में अपनी जिज्ञासा व्यक्त की। श्री अनिल दत्त शर्मा, फील्ड प्रदर्शनी अधिकारी (FEO), फील्ड आउटरीच ब्यूरो (एफओबी), शिमला ने वेबिनार को संचालित किया। सत्र का समापन श्री एल. सी. पोन्नुमोन, एफईओ, एफओबी, एर्नाकुलम ने सभी प्रतिभागियों को धन्यवाद ज्ञापित करते हुए किया।

6,180 स्कूलों को एल.ई.डीज़ खरीदने के लिए 6.8 करोड़ रुपए किये जारी: स्कूल शिक्षा मंत्री

ऑडीयो-विजुअल तकनीक विद्यार्थियों को कोर्स की कठिन धारणाएं समझाने के लिए हो रही है सहायक: सिंगला

• चंडीगढ़.ब्यूरो

आधुनिक तकनीक के द्वारा मानक शिक्षा मुहैया करवाने के लिए पंजाब सरकार द्वारा राज्य के सरकारी स्कूलों को स्मार्ट स्कूलों में तबदील किया जा रहा है जिसके अंतर्गत साधारण कमरों को स्मार्ट क्लासरूम बनाया जा रहा है। इन शब्दों का खुलासा

करते हुए स्कूल शिक्षा मंत्री पंजाब श्री विजय इंदर सिंगला ने बताया कि इसी मुहिम के अंतर्गत अब पंजाब सरकार द्वारा 6,180 सरकारी स्कूलों को क्लासरूमों के लिए एल.ई.डी. स्क्रीनें खरीदने के लिए 6 करोड़ 79 लाख 80 हज़ार रुपए का अनुदान जारी किया गया है। उन्होंने कहा कि इनमें सरकारी मिडल, हाई और सीनियर सेकंडरी स्तर के स्कूल शामिल हैं और ज़िला शिक्षा अफसरों को स्क्रीनें खरीदने के लिए फंड जारी करने के साथ-साथ हिदायतें भी जारी कर दी गई हैं। श्री विजय इंदर सिंगला ने बताया कि कोर्स का विशेष तौर पर तैयार किया गया ई-कंटैंट

ऑडीयो-विजुअल तकनीक के ज़रिये सरकारी स्कूलों के विद्यार्थियों को दिखाकर अच्छी तरह दोहराई करवाने औरकठिन धारणाएं समझाने के लिए सहायक सिद्ध हो रहा है। उन्होंने कहा कि पंजाब सरकार द्वारा लाए गए इन सुधारों स्वरूप स्कूल शिक्षा के क्षेत्र में मानक सुधार हुआ है जिसके चलते जहाँ नतीजों के मामलों में सरकारी स्कूलों ने प्राईवेट स्कूलों को पछाड़ा है, वहीं अभिभावकों का विश्वास भी फिर से सरकारी स्कूलों के प्रति बढ़ा है। शिक्षा विभाग द्वारा ज़िला शिक्षा अफसरों को जारी हिदायतों अनुसार एल.ई.डी. स्क्रीनों के लिए प्रति स्कूल 11 हज़ार रुपए जारी किये गए हैं। एल.ई.डी. स्क्रीन खरीदने के लिए स्कूल स्तर पर स्कूल मैनेजमेंट कमेटी प्रस्ताव डाल कर नत्थी स्पैसीफिकेशनों और वित्तीय नियमों का पालन करने के लिए कहा गया है।

स्कूल मुखियों और अध्यापकों को हिदायत की गई है कि डिजिटल स्क्रीन खरीदने के उपरांत इसके उपयुक्त प्रयोग के लिए स्क्रीन उचित स्थान पर लगाई जाये और इसके रख-रखाव के लिए विद्यार्थियों को भी प्रेरित किया जाये।

स्पोर्ट्स प्लैनेट

आईपीएल की सैलरी मोटी इन खिलाड़ियों की कमाई अब तक 100 करोड़ रुपए से ज्यादा

अब तक कमाई के मामले में पहले स्थान पर पूर्व भारतीय कप्तान और चेन्नई के थलाइवा के नाम से महेंद्र सिंह धौनी है। चेन्नई सुपर किंग्स के साथ पहले सीजन से 13वें सीजन तक खेलने वाली इस धुरंधर ने कुल 152.8 करोड़ की कमाई की है।

• नई दिल्ली.ब्यूरो

इंडियन प्रीमयर लीग 2021 का आयोजन होने जा रहा है और इसके लिए खिलाड़ियों की नीलामी पूरी हो चुकी है। एक बार फिर से फ्रेंचाइजी टीम ने अपने मनपसंद खिलाड़ी पर जमकर बोली लगाई। साउथ अफ्रीका के क्रिस मौरिस के रिकॉर्ड 16.25 करोड़ की बोली लगाकर राजस्थान की टीम ने खरीदा। वैसे अब तक के कुल 13 सीजन की सैलरी से पांच खिलाड़ी ऐसे हैं जिन्होंने 100 करोड़ से ज्यादा पैसे कमाए हैं।

महेंद्र सिंह धौनी

पहले स्थान पर पूर्व भारतीय कप्तान और चेन्नई के थलाइवा के नाम से महेंद्र सिंह धौनी का नाम है। चेन्नई सुपर किंग्स के साथ पहले सीजन से 13वें सीजन तक खेलने वाली इस धुरंधर ने कुल 152.8 करोड़ की कमाई की है।

रोहित शर्मा

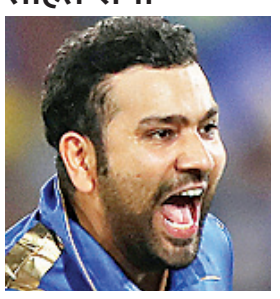

दूसरे स्थान पर मुंबई इंडियंस के कप्तान रोहित शर्मा का नाम आता है। रोहित ने इसके अलावा डेक्कन चार्जर्स की टीम की तरफ से भी खेला है। अब यह टीम टूर्नामेंट में हिस्सा नहीं लेती है। अब के 13 सीजन की कमाई से इस बल्लेबाज ने कुल 146.6 करोड़ की कमाई की है।

विराट कोहली

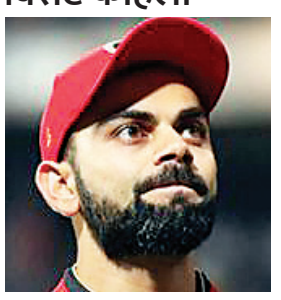

सबसे ज्यादा कमाई करने वालों की लिस्ट में तीसरे स्थान पर रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर टीम के कप्तान विराट कोहली का नाम है। कोहली ने अब तक के 13 सीजन में खेलते हुए कुल 143.2 करोड़ की कमाई की है।

सुरेश रैना

पूर्व भारतीय बल्लेबाज सुरेश रैना का नाम इस लिस्ट में चौथे स्थान पर है। चेन्नई की तरफ से खेलने वाले रैना ने पिछले सीजन में निजी कारणों से टूर्नामेंट से नाम वापस लिया था। इसके अलावा जब चेन्नई

की टीम को निलंबित किया गया था तब उन्होंने गुजरात लॉयन्स की तरफ से खेला था। 13 सीजन के बाद उनकी कमाई 110.7 करोड़ की है।

एबी डिविलियर्स

इस लिस्ट में पांचवें नंबर पर साउथ अफ्रीका के पूर्व कप्तान एबी डिविलियर्स हैं जो इस वक्त रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर की तरफ से खेलते हैं। इससे पहले वह दिल्ली डेयरडेविल्स (अब दिल्ली कैपिटल्स) की तरफ से खेल चुके हैं। अब तक उन्होंने कुल 102.5 करोड़ की कुल कमाई की है।

आप भी बन सकते हैं हिस्सा

अब ऑनलाइन युवाओं को बल्लेबाजी के गुण सिखाएंगे सचिन तेंदुलकर

• मुंबई.ब्यूरो

भारतीय टीम के पूर्व महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर लाइव इंटरेक्टिव कक्षाओं की एक सीरीज आयोजित करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं, जो कि अनएकेडमी के सीखने वालों के लिए उपलब्ध होगी। भारत के ऑनलाइन लर्निंग मंच अनअकेडमी ने घोषणा की कि उन्होंने महान बल्लेबाज तेंदुलकर के साथ एक रणनीतिक साझेदारी पर हस्ताक्षर किए हैं।

इस सौदे के हिस्से के रूप में, अनअकेडमी लर्नर को लाइव इंटरएक्टिव क्लासेस की एक सीरीज मिलेगी, जिसके माध्यम से महान बल्लेबाज द्वारा युवाओं को प्रशिक्षित और सलाहित किया जाएगा, जिसे हर कोई अनअकेडमी प्लेटफॉर्म पर निःशुल्क उपलब्ध कर सकता है। सचिन तेंदुलकर को अनएकेडमी के लिए ब्रांड एंबेसडर के रूप में काम करने के लिए चुना गया है।

सचिन तेंदुलकर ने एएनआइ से बात करते हुए कहा, "मैं ऑनलाइन नि: शुल्क सत्र कर रहा हूं और कोई भी इसमें शामिल हो सकता है। पूरा विचार मेरे अनुभवों को साझा करने के बारे में है। मैंने बहुत सारे बच्चों के साथ शारीरिक रूप से बातचीत की है, लेकिन डिजिटल बातचीत पहली बार होगी। यह विचार अब कुछ सौ युवाओं तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि यह लाखों के पास जाएगा। यह हमारा लक्ष्य है और हर किसी के पास यह पहुंच होनी चाहिए और मुझसे सवाल पूछने में सक्षम होना

चाहिए।"

पिछले हफ्ते, सचिन तेंदुलकर के बेटे अर्जुन तेंदुलकर को इंडियन प्रीमियर लीग (आइपीएल) के 2021 प्लेयर ऑक्शन में मुंबई इंडियंस ने 20 लाख रुपये में खरीदा था। फ्रैंचाइज़ी द्वारा चुने जाने के बाद अर्जुन ने उत्साह व्यक्त किया था और कहा था कि वह हमेशा से मुंबई इंडियंस के "डाई-हार्ड" प्रशंसक रहे हैं। मुंबई इंडियंस द्वारा जारी वीडियो में अर्जुन ने कहा था कि मैं बचपन से ही मुंबई इंडियंस का हमेशा से ही बड़ा प्रशंसक रहा हूं। मैं कोच, मालिकों और सपोर्ट स्टाफ का शुक्रिया अदा करना चाहता हूं। मैं एमआइ पलटन में शामिल होने के लिए उत्साहित हूं।

Printed, Published & Owner by ATUL SHARMA & Printed at SARANGLE PRINTERS, BASTI GUZAN JALANDHAR (PUNJAB) and Published from ATUL SHARMA, NN453 GOPAL NAGAR JALANDHAR (PUNJAB)
Editor : ATUL SHARMA*
*Responsible for selection of News under the PRB ACT. PUNHIN/2019/77863, All Rights Reserved. Reproduction in whole or in Part without permission is prohibited. All disputes shall be settled at Jalandhar jurisdiction only.